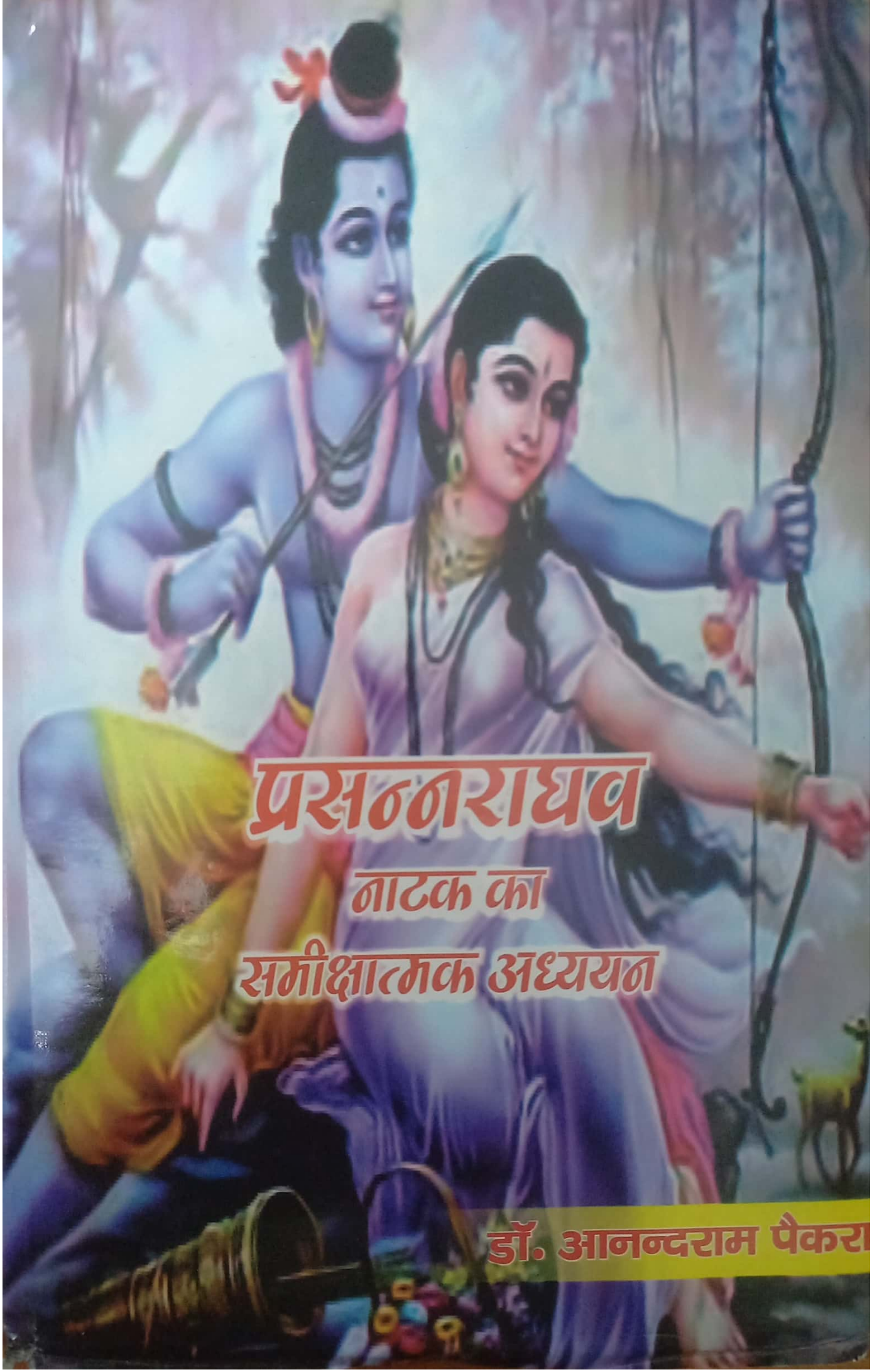

Scanned with CamScanner

डॉ. आनन्द राम पैकरा

पिता का नाम :
श्री राधेश्याम पैकरा
माता का नाम :
श्रीमती मोती बाई
जन्मतिथि :
29 सितम्बर, 1977
वर्तमान पता :
शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुर नगर (छ.ग.), पिन कोड- 496331
स्थायी पता :
ग्राम- कोट (माझापारा)
पो.+आ.- लमगाँव,
थाना- लुण्ड्रा,
जिला- सरगुजा (छ.ग.)
पिनकोड- 497101
मोबाइल : 9424981586

Scanned with CamScanner

प्रसन्नराघव नाटक का समीक्षात्मक अध्ययन

लेखक

डॉ. आनन्द राम पैकरा

सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (संस्कृत विभाग)

शासकीय रामभजन राय, एन.ई.एस.

स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुर (छत्तीसगढ़)

एस. के. पब्लिकेशन

प्रयागराज

Scanned with CamScanner

PRASANNARAGHAV NATAK KA
SAMEEKSHATMAK ADHYYAN

by

Dr. Anand Ram Paikra

© सर्वाधिकार सुरक्षित डॉ. आनन्द राम पैकरा

ISBN : 978-93-85415-29-6

प्रकाशक
एस. के. पब्लिकेशन
130/121-ए, शहरारा बाग,
इलाहाबाद-211003
मो. 9532481205

संस्करण : **प्रथम 2022**

मूल्य :
₹ 500.00

लेजर कम्पोजिंग
एसके कम्प्यूटर्स
इलाहाबाद, मो. 9198808690

मुद्रक
भार्गव ऑफसेट, प्रयागराज

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना

(क) शोधोद्देश्य,

(ख) प्रबन्ध-परिसीमा,

(क) कृतज्ञता-ज्ञापन,

प्रथम अध्याय—नाटक एवं नाटककार का परिचय 17-48

(क) महाकवि जयदेव का परिचय,

(ख) समय एवं जन्म स्थान,

(ग) वैदुष्य एवं कृतित्व,

(घ) 'प्रसन्नराघव' नामकरण एवं परिचय,

द्वितीय अध्याय—संस्कृत वाङ्मय में नाटक का उद्भव एवं विकास 49-83

(क) नाटक का आदि स्रोत,

(ख) अन्य-स्रोत,

(ग) संस्कृत साहित्य में नाटक का विकास,

(घ) नाट्य-साहित्य का स्वर्णयुग,

(ङ) नाट्य-साहित्य का विकास एवं प्रसन्नराघव,

तृतीय अध्याय—नाटक का साहित्य-सौष्ठव 84-119

(क) प्रसन्नराघव में रस-निष्पत्ति,

(ख) अलङ्कार-विधान,

(ग) छन्दोविवेचन,

(घ) गुण एवं अलङ्कार

(ङ) प्रकृति-चित्रण

चतुर्थ अध्याय—प्रसन्नराघव में नाट्य-शिल्प 120-149

(क) भारतीय नाट्य-शिल्प तथा उसके प्रमुख तत्व,

(ख) प्रसन्नराघव में भारतीय-नाट्यशिल्प के शास्त्रीय-सिद्धान्तों का संयोजन,

(ग) नाटक का इतिवृत्त,

(घ) नाटक के पात्र,

(ङ) अर्थप्रकृतियाँ,

(च) कार्यावस्थायें,

(छ) पञ्चसन्धियाँ

पञ्चम अध्याय—प्रसन्नराघव की भाषा एवं संवाद 150-172

(क) नाटक में प्रयोज्यभाषा के सम्बन्ध में भारतीय-मत तथा परम्परा,

(ख) प्रसन्नराघव में प्रयुक्त भाषायें

(ग) नाट्यान्तर्गत संवाद-सम्बन्धी भारतीय-दृष्टिकोण और प्रसन्नराघव के संवाद,

(घ) भाषागत वैशिष्ट्य

षष्ठ अध्याय—प्रसन्नराघव में लोक-चित्रण 173-190

(क) सामाजिक

(ख) राजनीतिक

(ग) आर्थिक

(घ) अन्य

सप्तम अध्याय—उपसंहार 191-202

(क) प्रसन्नराघव की मौलिकता

(ख) प्रसन्नराघव का संस्कृत नाटकों में स्थान

उपसंहार-सार 203-204

सहायक ग्रन्थसूची 205-208

Scanned with CamScanner

ISBN 978-93-85415-29-6

एस. के. पब्लिकेशन

मो. 9532481205

प्रयागराज

Scanned with CamScanner